न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, झुंझुनूं

पीठासीन अधिकारीः— लक्ष्मण सिंह कुडी
आई.ए.एस.

प्रकरण संख्या 129 / 2022

आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड सैकिण्ड फ्लोर, मानउपासना प्लाजा, सरदार पटेल मार्ग, सी–स्कीम, एच. एस.बी.सी. बैक के सामने, जयपुर जरिये अधिकृत अधिकारी श्री अक्षय खण्डेलवाल

—— प्रार्थी बैंक

बनाम

1. विकास कुमावत पुत्र लीलाधर, जाति कुमावत,
   प्रथम पता— प्लाट नं0 301, 302, 303, 304, वार्ड नं0 24, रोड नं0 3 से हटकर गोलाई मोड, झुंझुनूं, तहसील व जिला झुंझुनूं 333001
   द्वितीय पता — रोड नं0 3, वार्ड नं0 24, नीता की ढाणी, झुंझुनूं 333001
   तृतीय पता—मार्फत विकास कंस्ट्रक्शन कम्पनी, झुंझुनूं, 333001
2. लीलाधर पुत्र बनवारी, जाति कुमावत,
   प्रथम पता— प्लाट नं0 301, 302, 303, 304, वार्ड नं0 24, रोड नं0 3 से हटकर गोलाई मोड, झुंझुनूं, तहसील व जिला झुंझुनूं 333001
   द्वितीय पता — रोड नं0 3, वार्ड नं0 24, नीता की ढाणी, झुंझुनूं 333001
3. पुष्पा पुत्री गुरूदयाल पत्नि लीलाधर, जाति कुमावत
4. सुनिता कुमावत पत्नि विकास, जाति कुमावत,
   प्रथम पता— प्लाट नं0 301, 302, 303, 304, वार्ड नं0 24, रोड नं0 3 से हटकर गोलाई मोड, झुंझुनूं, तहसील व जिला झुंझुनूं 333001
   द्वितीय पता — रोड नं0 3, वार्ड नं0 24, नीता की ढाणी, झुंझुनूं 333001

—— अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियो के प्रतिभूमिकरण और पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत ऋणी की बंधक सम्पत्ति का कब्जा लेकर प्रार्थी बैंक को सुपुर्द करने के सम्बन्ध में।

——

उपस्थितः—
1. एडवोकट श्री कंचन सिंह चौधरी— प्रार्थी बैंक की ओर से उपस्थित।
2. एडवोकट श्री कैलाश कल्याण— अप्रार्थीगण सं0 1 लगायत 4 की ओर से उपस्थित।

Signature Not Verified

Digitally signed by Laxman Singh Kuri
Date: 2023.02.15 16:34:05 IST
Reason: SelfAttested

दिनांक 23.01.2023

प्रार्थी आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के अनुसार संक्षिप्त तथ्य इस प्रकार है कि प्रार्थी बैक अधिकृत अधिकारी के जरिये अधिकृत अधिकारी की ओर से निम्न प्रार्थना पत्र प्रस्तुत है कि अप्रार्थी (विकास कुमावत) ने प्रार्थी बैक द्वारा जरिये अनुबन्ध संख्या 33703962 के तहत सम्पत्ति बंधक रख ऋण प्रदान किया गया था इसलिए प्रार्थी बैंक उक्त ऋण बाबत सम्पूर्ण विधिक कार्यवाही करने हेतु अधिकृत एवं सक्षम है। प्रार्थी बैंक के यहां ऋणी अप्रार्थीगण ने ऋण हेतु आवेदन किया था। जिस पर प्रार्थी बैंक के यहां द्वारा अपनी अपनी निजी सम्पत्ति प्लाट नं0 301,

302, 303, 304, वार्ड नं0 24, रोड नं0 3 से हटकर गोलाई मोड, झुंझुनूं तहसील व जिला झुंझुनूं कुल क्षेत्रफल 254.11 वर्गगज को बंधक रख निम्न वर्णित ऋण खाते

Sr. No.	Loan A/c. No.	Agreement Dt.	Sanction Amount	NPA Date
1	33703962	10.09.2020	8,00,000/-	02.12.2021

के तहत ऋण अनुबन्ध की शर्तो के तहत ऋण सुविधा प्राप्त की गई थी जिसे अप्रार्थीगण–ऋणियों द्वारा मासिक किश्तों में प्रार्थी बैक को वापस अदा करना था। प्रार्थी बैक ने ऋणी अप्रार्थी के मालिकाना हक की सम्पत्ति प्लाट नं0 301, 302, 303, 304, वार्ड नं0 24, रोड नं0 3 से हटकर गोलाई मोड, झुंझुनूं तहसील व जिला झुंझुनूं कुल क्षेत्रफल 254.11 वर्गगज के हक के मूल दस्तावेजात आदि प्रार्थी बैंक के पास ऋण की सिक्योरिटी पेटे बंधक रखे गये थे। अप्रार्थीगण ने प्रार्थी बैंक से प्राप्त ऋण राशि को ऋण अनुबन्ध की शर्तो के अनुरूप तय मासिक किश्तो का भुगतान नही किया अर्थात नियमित मासिक किश्तो में व्यतिक्रम किया। इस कारण ऋणी का ऋण खाता अक्रियान्वित आस्ति की श्रेणी में (NPA) वर्गीकृत हो गये। ऋणी के ऋण खाते अक्रियान्विति आस्ति (NPA) की श्रेणी में दिनांक 02.12.2021 को वर्गीकृत होने के कारण प्रतिभूतिकरण अधिनियम की धारा 13(2) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक द्वारा ऋणियों को नोटिस दिनांक 22.01.2022 का लिखा जरिये रजिस्टर्ड डाक दिनांक 22.01.2022 को भिजवाया गया तथा धारा 13 (2) के नोटिस का हिन्दी व अंग्रेजी भाषा के समाचार पत्र में दिनांक 31.01.2022 को प्रकाशन किया गया। जिसके तहत ऋणियों को नोटिस प्राप्ति के 60 दिवस के अन्दर ऋण की बकाया राशि 8,11,127.82/– रूपये (अक्षरे आठ लाख ग्यारह हजार एक सौ सत्ताईस रूपये बियासी पैसे मात्र) मय आगामी ब्याज प्रार्थी बैंक को अदा करने हेतु सूचित किया गया। लेकिन अप्रार्थीगण/ऋणीयों ने उपरोक्त नोटिस अन्तर्गत धारा 13(2) की विधिवत सूचना प्राप्त हो जाने के पश्चात ना तो किसी प्रकार की राशि का भुगतान किया गया एवं ना ही नोटिस का कोई जवाब ऋणियों द्वारा प्रार्थी बैंक को भिजवाया गया तथा किसी प्रकार की कोई उज्रदारी प्रार्थी बैंक को इस संदर्भ में ऋणियों से प्राप्त नहीं हुई है। प्रार्थी बैंक अप्रार्थीगण सें उक्त राशि मय आगामी ब्याज सहित प्राप्त करने का अधिकारी है। जिसकी वसूली हेतु प्रार्थी बैंक अप्रार्थीगण ऋणियों की बंधक सम्पत्ति प्लाट नं0 301, 302, 303, 304, वार्ड नं0 24, रोड नं0 3, नियर गोलाई मोड, झुंझुनूं कुल क्षेत्रफल 1796.53 वर्गगज (उपहार मे प्राप्त सम्पत्ति 245.11 वर्गगज) का भौतिक कब्जा प्राप्त करने का कानूनी रूप से अधिकारी है। जिनको नीलाम कर प्रार्थी बैंक ऋण राशि की वसूली कर सके। अतः प्रार्थना पत्र पेश कर माननीय न्यायालय से निवेदन है कि माननीय न्यायालय प्रार्थी बैंक के पास बंधक रखी हुई उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति प्लाट नं0 301, 302, 303, 304, वार्ड नं0 24, रोड नं0 3 से हटकर गोलाई मोड, झुंझुनूं तहसील व जिला झुंझुनूं कुल क्षेत्रफल 254.11 वर्गगज जिसकी चारो सीमाओ में पूर्व में रास्ता, पश्चिम में गिरधारी लाल, उत्तर में रोहिताश दिलीप, लीलाधर का मकान व दक्षिण मे रोहिताश का प्लाट स्थित है। जो प्रार्थी बैंक के पास बंधक है जो कानूनी रूप से सम्पत्ति को कुर्क करवाने व बेचान करने हेतु अधिकृत है। उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को भौतिक रूप से कुर्क करने हेतु प्रार्थी बैंक को उक्त सम्पत्ति को भौतिक कब्जा जरिये प्रार्थी बैंक के अधिकृत अधिकारी को जरिये पुलिस सहायता दिलवाने का आदेश पारित करने की कृपा करे। अन्य कोई आदेश जो माननीय न्यायालय उचित समझे प्रार्थी बैंक के हक में पारित किया जावें ।

बहस सुनी गई। वकील प्रार्थी ने बहस के दौरान प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों की पुनरावर्ती करते हुये तर्क प्रस्तुत किया कि अप्रार्थी द्वारा प्रार्थी [illegible] है। अप्रार्थी को प्रार्थी बैंक द्वारा नियमानुसार एन0पी0ए0 घोषित किया जा चुका है। [illegible] स्वीकार कर प्रार्थी को प्रतिभूति सम्पत्ति का कब्जा दिलवाये जाने का निवेदन किया। [illegible] प्रार्थना स्वीकार कर उपरोक्त गिरवीकृत अचल सम्पत्ति का भौतिक कब्जा बैंक को दिलवाया [illegible] जिससे अधिनियम के प्रावधानुसार सम्पत्ति को बेचकर बकाया ऋण की वसूली की जा सके।

Signature Not Verified
Digitally signed by Laxman Singh Kuri
Date: 2023.02.15 16:34:05 IST
Reason: SelfAttested

वकील अप्रार्थीगण सं0 1 लगायत 4 ने वकील प्रार्थी के कथनों के विरोध कर तर्क प्रस्तुत किया कि अप्रार्थीगण प्रार्थी की बकाया ऋण राशि जमा कराने को तैयार है। अप्रार्थीगण को बकाया ऋण राशि जमा कराने हेतु अवसर प्रदान किया जावे। .

हमने प्रार्थी आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र व इस प्रार्थना पत्र के साथ दस्तावेजात का अवलोकन किया। पत्रावली के अवलोकन से यह जाहिर है कि अप्रार्थी अपने ऋण का भुगतान करने में असफल रहें है व प्रार्थी आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड द्वारा अप्रार्थी/गारन्टर को अधिनियम की धारा 13 (2) के अन्तर्गत रजिस्टर्ड नोटिस जारी किये जाने के पश्चात् भी अप्रार्थीगण द्वारा प्रार्थी आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड की ऋण राशि का भुगतान नही किया गया है।

पत्रावली में शामिल दस्तावेजात के अवलोकन से जाहिर है कि अप्रार्थी अपने ऋण का भुगतान करने में असफल रहें है व प्रार्थी आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड द्वारा अप्रार्थी/गारन्टर को अधिनियम की धारा 13 (2) के अन्तर्गत रजिस्टर्ड नोटिस जारी किये जाने के पश्चात् भी अप्रार्थीगण द्वारा प्रार्थी आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड की ऋण राशि का भुगतान नही किया गया है। पत्रावली में शामिल दस्तावेजात के अवलोकन से जाहिर है कि अप्रार्थीगण, प्रार्थी आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड के साथ हुये अनुबन्ध के अनुसार ऋण राशि को चुकाने में विफल रहें है। अतः अप्रार्थीगण/ऋणी, गारन्टर को व्यक्तिक्रमी मानते हुये प्रार्थी आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड द्वारा प्रश्नगत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है तथा सिक्योरिटाईजेशन एण्ड रिक्न्स्ट्रकशन ऑफ फाइनेन्शियल एसेटस एण्ड एनर्फोसमेंट ऑफ सिक्योरिटी इन्टरेस्ट एक्ट 2002 की धारा 14 के तहत प्रद्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये बंधक रखी गई सम्पत्ति प्लाट नं0 301, 302, 303, 304, वार्ड नं0 24, रोड नं0 3 से हटकर गोलाई मोड, झुंझुनूं तहसील व जिला झुंझुनूं कुल क्षेत्रफल 254.11 वर्गगज जिसकी चारो सीमाओ में पूर्व में रास्ता, पश्चिम में गिरधारी लाल, उत्तर में रोहिताश दिलीप, लीलाधर का मकान व दक्षिण मे रोहिताश का प्लाट स्थित है। स्थित है का पजेशन प्रार्थी आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड को जरिये संबंधित पुलिस थाना की इमदाद से प्राप्त किये जाने के आदेश दिये जाते है। आदेश की प्रति जिला पुलिस अधीक्षक, झुंझुनू को इस अनुरोध के साथ प्रेषित की जाती है कि प्रार्थी आई.डी.एफ.सी. फर्स्ट बैंक लिमिटेड के खर्चे पर उनकी आवश्यकतानुसार चाहे जाने पर पुलिस सहायता उपलब्ध करावें।

आदेश आज दिनांक 23.01.2023 को लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(एल0एस0कुडी)
जिला कलक्टर एवं
जिला मजिस्ट्रेट, झुंझुनूं

Signature Not Verified

Digitally signed by Laxman Singh Kuri
Date: 2023.02.15 15:34:05 IST
Reason: SelfAttested